बुँदेलखण्ड का इतिहास

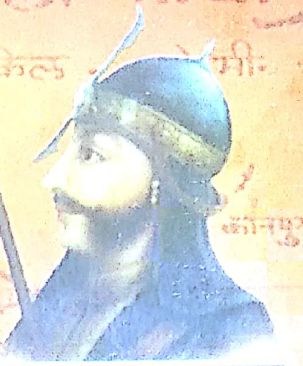

चौथा भाग

लेखक - दीवान प्रतिपाल सिंह

प्रकाशक - पृथ्वी सिंह बुन्देला
प्रतिपाल परिसर छतरपुर

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक परिचय

पृथ्वी सिंह बुन्देला

जन्म - ५ जनवरी १९२६ ई.
जन्म स्थान - छतरपुर
पिता - दीवान प्रतिपाल सिंह जू देव
माता - श्रीमती सीता जू
शिक्षा - बी.ए., होम्योपैथिक डिप्लोमा
सम्मान - म.प्र. शासन से उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए सम्मानित शिक्षक, शास. शिक्षा महाविद्यालय छतरपुर, पुरस्कृत चित्रकार, सम्मानित समाजसेवी।
पता - दीवान प्रतिपाल परिसर
पहरा हाउस, सागर रोड, छतरपुर (म.प्र.)
फोन - 07682-243574
मो. 9926182801

सम्पादक परिचय

डॉ. बहादुर सिंह परमार

जन्म - १६ जुलाई १९६३,
जन्म स्थान - रानीपुरा, (छतरपुर)
शिक्षा - एम.ए., पी-एच.डी.
रचनाएं - 1. अमरकांत का कथा साहित्य
2. बुन्देलखण्ड की छन्दबद्ध काव्य परंपरा
सम्पादन - 1. पत्रिका बुन्देली बसंत
2. बुन्देलखण्ड की साहित्यिक धरोहर
3. छतरपुर जिले की लोक कथाएं
4. बुन्देली व्यंजन आदि
सम्प्रति - शास. महाराजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय छतरपुर में सहा. प्राध्यापक हिन्दी
संपर्क - एमआईजी -7, न्यू हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी छतरपुर (म.प्र.) मो. 9425474662

Scanned with OKEN Scanner

बुँदेलखंड का इतिहास

(चौथा भाग)

लेखक

दीवान प्रतिपाल सिंह

प्रकाशक

कुँवर पृथ्वी सिंह बुन्देला

सम्पादक

डॉ. बहादुर सिंह परमार

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

(अ) खण्ड - चन्देल

- अध्याय प्रथम - भूमिका १
- अध्याय द्वितीय - इतिहास की सामग्री २
- अध्याय तृतीय - देश की स्थिति ५
- अध्याय चतुर्थ - प्रादुर्भाव समय १४
- अध्याय पंचम् - उत्पत्ति २१
- अध्याय षष्ठ - वंशावली ३१
- अध्याय सप्तम् - प्रताप, राज्य विस्तार, यश आदि ४४
- अध्याय अष्टम् - राजाओं के इतिहास ७३-१५७
  - (१) चंद्र ब्रह्म ७३
  - (२) नन्नुक ८३
  - (३) वाक्पति राज या बृज ब्रह्म या बीज ब्रह्म ८७
  - (४) जयशक्ति या बेल ब्रह्म ८९
  - (५) विजय शक्ति या मानब्रह्म या नंदन ब्रह्म ९३
  - (६) राहिल गज ब्रह्म ९६
  - (७) हर्षदेव ज्ञानब्रह्म ९७
  - (८) यशोवर्मन या जानब्रह्म १०२
  - (९) धंगदेव या जयशक्ति ब्रह्म १०७
  - (१०) गंड या पृथु ब्रह्म ११३
  - (११) विद्याधर देव या भक्ति या भयनाथ ब्रह्म ११७
  - (१२) विजयपाल देव या जगत ब्रह्म १२०
  - (१३) देवपाल देव या देववर्मन १२२
  - (१४) कीर्तिवर्मन का कल्याण ब्रह्म १२३

Scanned with OKEN Scanner

(१५) सल्लाक्षण वर्मन या सूर्यब्रह्म १२८
(१६) जयवर्मन या रूपब्रह्म १३३
(१७) पृथ्वी वर्मन या राहिल ब्रह्म १३६
(१८) मदनवर्मन १३८
(१९) यशोवर्मन या कीर्ति वर्मन १४२
(२०) परमर्दि देव या परमाल १४२
(२१) त्रैलोक्य वर्मन १४३
(२२) वीर वर्मन १४८
(२३) भोज वर्मन १४९
(२४) हमीरवर्म देव १५३
(२५) शशांक भूप १५३
(२६) भीलनदेव या बेलनदेव १५३
(२७) परमर्दि महीपति १५३
(२८)(२९)(३०)(३१) अज्ञात नाम १५४
(३२) कीर्ति राय या कीर्ति सिंह १५५
(३३) दुर्गावती १५७
• अध्याय नवम् - चंदेलों की वर्तमान स्थिति १५८

(आ) खण्ड - भर **१६०**

❄❄❄❄❄

Scanned with OKEN Scanner

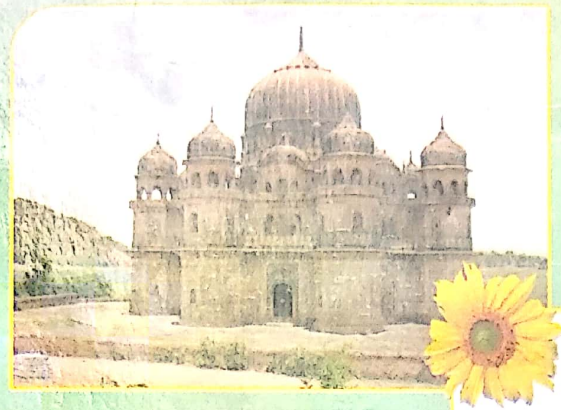

Scanned with OKEN Scanner